चम्पारण ज्ञानाग्रह

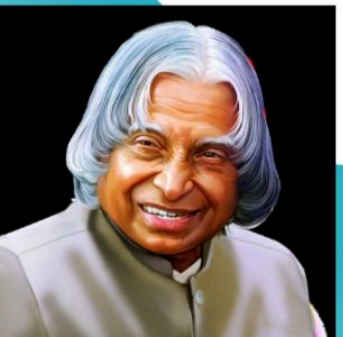
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 05 नवंबर 2026, अंक –394.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"मौन रहना क्रोध की सबसे अच्छी दवा है।"



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Thursday Prayer

मुझे इस दुनिया में लाया, मुझे बोलना चलना सिखाया
ओ मात पिता तुम्हे वंदन, मैंने किस्मत से तुझे पाया।

मैं जब से जग में आया, बन तब से शीतल छाया,
कभी सहलाया गोदी में, कभी कांधे पर है बिठाया।
मेरे सिर पर हाथ रख कर, बस प्यार ही प्यार लुटाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मैं उठाकर सर चल पाऊ, इस लायक तुमने किया है।
कहीं हाथ नहीं फैलाऊ, मुझे इतना तुमने दिया है।
मुझे जग की रीत सिखाई, मुझे धर्म का पाठ पढ़ाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

मां-बाप की आंखों से मैं, आंसू बनकर ना गीरूगा।
मां बाप का दिल जो दुखा दे, मैं ऐसा कुछ ना करूंगा।
मां बाप के रूप में मैंने, भगवान को जैसे पाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ....

जब देव भी मात पिता के, उपकार चुका ना पाए।
नागोड़ा दरबार प्रदीप, किन शब्दों में गुण गाए।
मैं फर्ज निभा पाऊं तो, समझूंगा अश चुकाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन ..

मुझे इस दुनिया में लाया मुझे बोलना चलना सिखाया।
ओ मात पिता तुम्हे वंदन....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. घाना की राजधानी क्या है?
उत्तर: अक्रा
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला ओलंपिक पदक विजेता कौन थीं?
उत्तर: कर्णम मल्लेश्वरी
प्रश्न 3. 'पाइका' किस राज्य का पारंपरिक युद्ध-नृत्य है?
उत्तर: ओडिशा
प्रश्न 4. यदि किसी वृत्त की त्रिज्या 7 सेमी है, तो उसका व्यास कितना होगा?
उत्तर: 14 सेमी
प्रश्न 5. बिहार के किस जिले में प्रसिद्ध 'ककोलत जलप्रपात' स्थित है?
उत्तर: नवादा
प्रश्न 6. किस स्तनधारी जीव को अपनी लंबी जीभ से दीमक खाने के लिए जाना जाता है?
उत्तर: चींटीखोर
प्रश्न 7. विश्व का पहला सफल हृदय प्रत्यारोपण किस सर्जन ने किया था?
उत्तर: क्रिश्चियन बर्नार्ड
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान किस अनुच्छेद में है?
उत्तर: अनुच्छेद 124
प्रश्न 9. 'जो भविष्य में होने वाली घटनाओं को पहले से जानता हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: त्रिकालदर्शी
प्रश्न 10. भोजन को चबाने में सहायता करने वाले दाँत कौन-से होते हैं?
उत्तर: दाढ़/ चर्वणक (Molar)

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Biodiversity - बायोडायवर्सिटी - जैव विविधता
2. Ecosystem - इकोसिस्टम - पारिस्थितिकी तंत्र
3. Habitat - हैबिटैट - प्राकृतिक आवास
4. Predator - प्रेडेटर - शिकारी जीव
5. Prey - प्रे - शिकार / भक्ष्य जीव
6. Scavenger - स्कैवेंजर - मृतजीवी / मुर्दाखोर जीव
7. Parasite - पैरासाइट - परजीवी



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Why is he/she going to + V1?"
(वह ... क्यों करने वाला/वाली है?)

वह डॉक्टर क्यों बनने वाला है? – Why is he going to become a doctor?
वह नई भाषा क्यों सीखने वाली है? – Why is she going to learn a new language?
वह अपनी नौकरी क्यों छोड़ने वाला है? – Why is he going to leave his job?
वह गाँव क्यों जाने वाली है? – Why is she going to visit the village?
वह प्रतियोगिता में क्यों भाग लेने वाला है? – Why is he going to take part in the competition?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 5 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विनाशकारी समुद्री लहरों (Tsunami) के जोखिम और तटीय सुरक्षा तैयारियों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु कौन-सा वैश्विक दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: विश्व सुनामी जागरूकता दिवस (World Tsunami Awareness Day)
व्याख्या: संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 2015 में एक प्रस्ताव पारित कर प्रतिवर्ष 5 नवंबर को 'विश्व सुनामी जागरूकता दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की थी। यह तिथि जापान के एक पारंपरिक आख्यान 'इनामुरा-नो-ही' (चावल के ढेरों में आग लगाना) से प्रेरित है, जिसमें 1854 के भूकंप के समय एक जापानी किसान ने अपने खेतों में आग लगाकर ग्रामीणों को सुनामी की चेतावनी देकर ऊंचे टीलों पर पहुंचाया था। इसका उद्देश्य सुनामी के पूर्व-संकेतों (समुद्र का तेजी से पीछे हटना, भीषण कंपन), प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों (Early Warning Systems) और तटीय समुदायों की निकासी योजनाओं को मजबूत करना है।
संदर्भ: UN Office for Disaster Risk Reduction (UNDRR);

प्र.2. हाल ही में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा हरित ऊर्जा और इलेक्ट्रॉनिक चिप विनिर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण किस 'गंभीर एवं रणनीतिक खनिज' (Critical Mineral) के नए समृद्ध भंडारों की पहचान प्रायद्वीपीय भारत में की गई? (समसामयिक घटना)
उत्तर: ग्रेफाइट एवं वैनेडियम (रणनीतिक खनिज भंडार)
व्याख्या: भारत सरकार के खान मंत्रालय और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) द्वारा देश को स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण में आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रायद्वीपीय भारत (कर्नाटक और अरुणाचल प्रदेश के बाद आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों) में उच्च श्रेणी के ग्रेफाइट और वैनेडियम के रणनीतिक भंडारों की विस्तृत मैपिंग की गई है। ग्रेफाइट लिथियम-आयन बैटरी के एनोड निर्माण का मुख्य घटक है, जबकि वैनेडियम का उपयोग उच्च क्षमता वाली ग्रिड-स्केल एनर्जी स्टोरेज बैटरियों (Vanadium Redox Flow Batteries) और रक्षा क्षेत्र के लिए विशेष इस्पात मिश्र धातुओं में होता है। यह अन्वेषण भारत की विदेशी आपूर्ति निर्भरता को घटाने में निर्णायक कदम है।
संदर्भ: Geological Survey of India (GSI) Mineral Exploration Report;

प्र.3. राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध खंडकाव्य है, जिसमें भगवान बुद्ध के गृह-त्याग के उपरांत उनकी पत्नी के आत्मसम्मान, विरह और "सखि, वे मुझसे कह कर जाते" जैसे भावुक अंतर्द्वंद्व का अंकन है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: यशोधरा (1932)
व्याख्या: 'यशोधरा' (1932) राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त द्वारा रचित चम्पू-काव्य (गद्य-पद्य मिश्रित) शैली की एक उत्कृष्ट और कालजयी साहित्यिक कृति है। इसमें गौतम बुद्ध द्वारा रात्रि में चुपचाप पत्नी और नवजात पुत्र राहुल को सोता छोड़कर संन्यास लेने की ऐतिहासिक घटना को यशोधरा के दृष्टिकोण से देखा गया है। यशोधरा को बुद्ध के सिद्धि प्राप्त करने पर कोई आपत्ति नहीं है, परंतु उनकी पीड़ा यह है कि बुद्ध ने उन्हें बिना बताए गृह-त्याग किया। इस काव्य की अमर पंक्तियां — "सखि, वे मुझसे कह कर जाते, कह, तो क्या मुझको वे अपनी पथ-बाधा ही पाते?" भारतीय नारी के गौरव, गरिमा और त्याग की उच्चतम अभिव्यक्ति मानी जाती हैं।
संदर्भ: मैथिलीशरण गुप्त — 'यशोधरा', साकेत प्रकाशन/लोकभारती; NCERT Hindi Class 11 (अंतरा भाग-1

प्र.4. अत्यधिक प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों के संकेंद्रण के कारण महासागरों के जल द्वारा वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) को अत्यधिक सोखने से समुद्री जल के pH मान में होने वाली निरंतर गिरावट को क्या कहा जाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: महासागरीय अम्लीकरण (Ocean Acidification)
व्याख्या: वायुमंडल में बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का लगभग 25 से 30 प्रतिशत भाग महासागरों द्वारा अवशोषित कर लिया जाता है। जब जल और CO_2 परस्पर क्रिया करते हैं, तो वे कार्बोनिक अम्ल (H_2CO_3) बनाते हैं, जो टूटकर हाइड्रोजन आयनों (H^+) की सांद्रता को बढ़ा देता है। इसके फलस्वरूप समुद्री जल का pH मान घट जाता है; इस प्रक्रिया को 'महासागरीय अम्लीकरण' कहते हैं। यह अम्लीय वातावरण प्रवाल भित्तियों (Coral Reefs), शंख, घोंघे और प्लैंकटन जैसे जीवों द्वारा कैल्शियम कार्बोनेट (CaCO_3) के कवच बनाने की क्षमता को क्षीण कर देता है, जिससे संपूर्ण समुद्री खाद्य श्रृंखला के ध्वस्त होने का खतरा उत्पन्न हो गया है।
संदर्भ: NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 410–413;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उड़ीसा के संबलपुर क्षेत्र में अंग्रेजों की कुख्यात हड़प नीति (Doctrine of Lapse) के विरुद्ध विद्रोही सैनिकों और आदिवासियों का 1862 तक अनवरत नेतृत्व करने वाले महान जननायक कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: वीर सुरेंद्र साय
व्याख्या: वीर सुरेंद्र साय (1809–1884) उड़ीसा के संबलपुर के चौहान राजवंश के एक महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे। जब अंग्रेजों ने उनके वैध उत्तराधिकार को अस्वीकार कर संबलपुर को ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया, तो उन्होंने सशस्त्र विद्रोह छेड़ दिया। हजारीबाग जेल से 1857 के सिपाहियों द्वारा छुड़ाए जाने के बाद वे संबलपुर पहुंचे और गौंड़ तथा बिंझाल जनजातियों के सहयोग से अंग्रेजों के विरुद्ध छापामार युद्ध शुरू किया। वे 1857 के विद्रोह के उन विरले नायकों में से थे जिन्होंने 1862 तक ब्रिटिश सेना को खुली चुनौती दी। अंततः धोखे से पकड़े जाने के बाद मध्य प्रदेश के असीरगढ़ किले में कैद के दौरान 1884 में उनका देहावसान हुआ।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. पश्चिमी घाट के सह्याद्रि पर्वत से निकलकर कर्नाटक के शिमोगा जिले में बहने वाली शरावती नदी पर स्थित भारत का प्रसिद्ध 253 मीटर ऊंचा जलप्रपात कौन-सा है? (भूगोल)
उत्तर: जोग जलप्रपात (गेरसोप्पा / महात्मा गांधी जलप्रपात)
व्याख्या: जोग जलप्रपात (Jog Falls) कर्नाटक के शिमोगा जिले में पश्चिमी घाट से बहने वाली शरावती नदी पर स्थित भारत के सबसे भव्य और ऊंचे गैर-विभाजित सीधे गिरने वाले झरनों में से एक है। इसकी कुल ऊंचाई लगभग 253 मीटर (830 फीट) है। यह जलप्रपात चार अलग-अलग जलधाराओं के संयोजन से बनता है, जिन्हें पारंपरिक रूप से 'राजा', 'रोअरर' (दहाड़ने वाला), 'रॉकेट' और 'रानी' कहा जाता है। इस जलप्रपात के जल का उपयोग कर कर्नाटक का प्रमुख 'महात्मा गांधी जलविद्युत स्टेशन' संचालित किया जाता है। मानसून के समय इसका दृश्य अत्यंत विहंगम और शक्तिशाली होता है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 23–25;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद संसद को अंतरराष्ट्रीय शांति, मानवाधिकार या पर्यावरण संबंधी किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में लिए गए निर्णयों को लागू करने हेतु राज्य सूची के विषयों पर भी कानून बनाने की शक्ति देता है? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: अनुच्छेद 253 (Article 253)
व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XI में केंद्र-राज्य विधायी संबंधों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 253' संसद की एक सर्वोपरि शक्ति को निरूपित करता है। इसके अनुसार, संसद को किसी अन्य देश या देशों के साथ की गई किसी संधि, करार या अभिसमय अथवा किसी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, संगम या निकाय में किए गए किसी विनिश्चय के कार्यान्वयन के लिए भारत के संपूर्ण राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए विधि बनाने की पूरी शक्ति है। भले ही वह विषय संविधान की सातवीं अनुसूची की 'राज्य सूची' में ही क्यों न आता हो। उदाहरण के लिए, भारत का 'पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986' (स्टॉकहोम सम्मेलन 1972 के आधार पर) तथा 'मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993' इसी अनुच्छेद की शक्ति से लागू किए गए थे।
संदर्भ: Constitution of India, Part XI, Article 253; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 7 "संघवाद", p. 156–159;

प्र.8. किसी विद्युत परिपथ में 2 ओम, 3 ओम और 6 ओम के तीन प्रतिरोधकों को पार्श्वक्रम (समानांतर क्रम / Parallel Combination) में जोड़ने पर उनका कुल तुल्य प्रतिरोध (Equivalent Resistance) कितने ओम होगा? (विज्ञान)
उत्तर: 1 ओम (\Omega)
व्याख्या: जब दो या दो से अधिक प्रतिरोधक पार्श्वक्रम (Parallel) में जुड़े होते हैं, तो उनके तुल्य प्रतिरोध (R_p) के व्युत्क्रम का मान सभी प्रतिरोधकों के अलग-अलग प्रतिरोधों के व्युत्क्रमों के योग के बराबर होता है।
सूत्र: 1 / R_p = 1 / R_1 + 1 / R_2 + 1 / R_3
यहाँ दिया गया है: R_1 = 2\,\Omega, R_2 = 3\,\Omega, R_3 = 6\,\Omega
मान प्रतिस्थापित करने पर: 1 / R_p = 1/2 + 1/3 + 1/6, हरों (2, 3, 6) का ल.स. (LCM) = 6, 1 / R_p = (3 + 2 + 1) / 6, 1 / R_p = 6 / 6 = 1
व्युत्क्रम लेने पर: R_p = 1\,\Omega (1 ओम)। (पार्श्वक्रम का यह वैज्ञानिक नियम है कि तुल्य प्रतिरोध का मान परिपथ में जुड़े सबसे छोटे प्रतिरोधक से भी कम होता है; यहाँ सबसे छोटा 2 ओम था, तुल्य 1 ओम आया)।
संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (प्रतिरोधकों के निकाय का प्रतिरोध), p. 231–234;

प्र.9. 16वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के सम्राट कृष्णदेवराय और उनके उत्तराधिकारियों द्वारा हम्पी में तुंगभद्रा नदी के तट पर द्रविड़ शैली में निर्मित वह कौन-सा प्रसिद्ध मंदिर है, जिसके परिसर में अखंड ग्रेनाइट का 'पाषाण रथ' स्थित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: विजय विट्ठल मंदिर (हम्पी)
व्याख्या: विजय विट्ठल मंदिर कर्नाटक के बेल्लारी (विजयनगर) जिले में हम्पी में तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित विजयनगर कालीन स्थापत्य कला का सर्वश्रेष्ठ और भव्यतम स्मारक है। यह मंदिर भगवान विष्णु के अवतार 'विट्ठल' को समर्पित है। इस मंदिर की दो सबसे विशिष्ट विशेषताएं हैं: (1) प्रांगण में गरुड़ को समर्पित अखंड तराशा गया 'पाषाण रथ' (Stone Chariot), जिसके पहिए कभी घूमा करते थे (यह भारत के ₹50 के नए करेंसी नोट पर भी अंकित है); (2) मंदिर के रंगमंडप में स्थित 56 नक्काशीदार 'संगीतमय स्तंभ' (Musical Pillars / सा-रे-गा-मा स्तंभ), जिन्हें हल्के से थपथपाने पर विभिन्न वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनियां उत्पन्न होती हैं। 1986 में हम्पी समूह को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।
संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 84–87;

प्र.10. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान बिहार के पटना में 3 जुलाई 1857 को अंग्रेजों के विरुद्ध खुला विद्रोह करने वाले गुरहट्टा मोहल्ले के प्रसिद्ध पुस्तक विक्रेता कौन थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: अमर शहीद पीर अली खान
व्याख्या: 3 जुलाई 1857 को पटना नगर में ईस्ट इंडिया कंपनी के विरुद्ध स्वाधीनता संग्राम का बिगुल फूंकने वाले अमर जननायक 'पीर अली खान' थे। वे पटना के गुरहट्टा मोहल्ले में एक सामान्य पुस्तक विक्रेता थे, जिनकी दुकान देशभक्तों और क्रांतिकारियों का प्रमुख गुप्त अड्डा थी। उन्होंने पटना के अफीम व्यापार के सर्वेक्षक डॉक्टर लॉयल और ब्रिटिश सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। विद्रोह को दबाने के बाद ब्रिटिश कमिश्नर विलियम टेलर ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। टेलर द्वारा साथियों के नाम बताने पर जीवनदान देने के प्रलोभन को ठुकराते हुए उन्होंने फांसी के फंदे के सामने गर्व से कहा था — "तुम मुझे फांसी दे सकते हो, लेकिन हमारे खून से हजारों ऐसे क्रांतिकारी पैदा होंगे जो तुम्हारे जुल्म को खत्म कर देंगे।" 7 जुलाई 1857 को उन्हें सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई।
संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; Dr. K. K. Datta — 'History of Freedom Movement in Bihar';

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W5 — स्वच्छता संबंधी जानकारी) के अनुसार विद्यालय में 'स्वच्छ शौचालय उपयोग' के क्या शिष्टाचार हैं और खुले में कचरा या थूकने की आदत से टीबी (तपेदिक) जैसी संक्रामक बीमारियां किस प्रकार फैलती हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)
उत्तर: शौच के बाद पर्याप्त पानी डालना, ढक्कन बंद रखना; थूक के एरोसोल/बैक्टीरिया हवा में घुलकर श्वसन मार्ग में जाना
व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W5: स्वच्छता संबंधी जानकारी) और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के स्वच्छता मानकों के अनुसार: (1) शौचालय उपयोग शिष्टाचार — शौचालय का उपयोग करने के तुरंत बाद फ्लश चलाएं या कम से कम एक बाल्टी पानी अवश्य डालें ताकि मक्खियाँ न पनपें; पैड या प्लास्टिक कचरे को कभी भी कमोड में न बहाएं बल्कि ढक्कनदार डस्टबिन (इंसिनरेटर) में डालें; शौचालय से बाहर निकलते ही साबुन से 20 सेकंड तक हाथ धोना अनिवार्य है; (2) सार्वजनिक स्वच्छता व टीबी संक्रमण — खुले में या विद्यालय की दीवारों/फर्श पर थूकना अत्यंत गंभीर स्वास्थ्य जोखिम है; टीबी (Tuberculosis) के मरीज के थूक में लाखों की संख्या में 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' जीवाणु होते हैं; थूक के सूखने पर ये बैक्टीरिया धूल के कणों के साथ हवा में एरोसोल बनकर उड़ते हैं और सांस लेते समय स्वस्थ बच्चों व शिक्षकों के फेफड़ों में पहुंचकर उन्हें संक्रमित कर देते हैं; हमेशा थूकने के लिए वॉशबेसिन का उपयोग करें या रूमाल का इस्तेमाल करें।
संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W5 — "स्वच्छता संबंधी जानकारी";

प्र.12. एक आयताकार पानी की टंकी की लंबाई 4 मीटर, चौड़ाई 3 मीटर और गहराई 2 मीटर है। बताइए उस टंकी में कुल कितने लीटर पानी समा सकता है? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
उत्तर: 24,000 लीटर
व्याख्या: यह आयतन और धारिता (Capacity in Litres) के रूपांतरण पर आधारित एक अत्यंत महत्वपूर्ण, तार्किक और व्यावहारिक अंकगणितीय प्रश्न है।
टंकी का आयतन (V) = \text{लंबाई} \times \text{चौड़ाई} \times \text{गहराई} (l \times b \times h)
यहाँ दिया गया है:, लंबाई (l) = 4 मीटर, चौड़ाई (b) = 3 मीटर, गहराई (h) = 2 मीटर
आयतन की गणना: V = 4 \times 3 \times 2 = 24\text{ घन मीटर (m}^3\text{)}।, अब धारिता (लीटर) का मानक वैज्ञानिक पैमाना:, 1\text{ घन मीटर (m}^3\text{)} = 1,000\text{ लीटर}।, अत: टंकी की कुल धारिता:
\text{कुल लीटर} = 24 \times 1,000 = 24,000\text{ लीटर}।
अत: उस आयताकार टंकी में ठीक 24,000 लीटर पानी समा सकता है।
संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 11 "क्षेत्रमिति" (Mensuration - Volume & Capacity), p. 177–181;

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abrogate (ऐब्रोगेट) = Repeal (रिपील) = कानून, नियम या समझौते को औपचारिक रूप से समाप्त करना / निरस्त करना
Antonym – Enact (इनैक्ट) = कानून बनाना / लागू करना
Chicanery (शिकेनरी) = Deception (डिसेप्शन) = छल-कपट / धोखाधड़ी / चालबाज़ी
Antonym – Honesty (ऑनेस्टी) = ईमानदारी / सत्यनिष्ठा
Demure (डिम्योर) = Modest (मॉडेस्ट) = संकोची / शालीन / विनम्र
Antonym – Bold (बोल्ड) = निर्भीक / बेबाक
Equivocal (इक्विवोकल) = Ambiguous (ऐम्बिग्युअस) = अस्पष्ट / दोहरे अर्थ वाला / संदिग्ध
Antonym – Unequivocal (अनेइक्विवोकल) = स्पष्ट / असंदिग्ध
Inculcate (इन्कलकेट) = Instill (इन्स्टिल) = किसी विचार, आदत या मूल्य को मन में बैठाना / संस्कारित करना
Antonym – Eradicate (इरैडिकेट) = जड़ से मिटाना / समाप्त करना



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Cabinet creates pathway for all Agniveers to be absorbed in Defence Forces; remaining 75% to get another two-year engagement period

हिन्दी अनुवाद: मंत्रिमंडल ने सभी अग्निवीरों को रक्षा बलों में शामिल करने का मार्ग बनाया; शेष 75% अग्निवीरों को दो साल की और सेवा अवधि देने को मंजूरी दी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों को रक्षा बलों में शामिल करने का मार्ग बनाया है। शेष 75% अग्निवीरों को भारतीय रक्षा बलों की सिफारिश पर दो साल की और सेवा अवधि देने को मंजूरी दी गई है। इस दो साल की सेवा अवधि के बाद सभी अग्निवीरों को उनकी इच्छा और चयन मानदंडों को पूरा करने के आधार पर नियमित सैनिक के रूप में नामांकन की पेशकश की जाएगी।

India aims for ₹3 lakh crore defence production, ₹50,000 crore exports by 2029; defence budget rises to ₹7.85 lakh crore

हिन्दी अनुवाद: भारत 2029 तक ₹3 लाख करोड़ रक्षा उत्पादन और ₹50,000 करोड़ निर्यात का लक्ष्य रखता है; रक्षा बजट ₹7.85 लाख करोड़ हुआ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा बजट बढ़ाकर रिकॉर्ड ₹7.85 लाख करोड़ कर दिया गया है। इसमें आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए ₹2.19 लाख करोड़ का पूंजीगत परिव्यय शामिल है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को ₹3 लाख करोड़ और रक्षा निर्यात को ₹50,000 करोड़ तक पहुँचाना है।

India's Services PMI rises to 55.8 in October, hits four-month high

हिन्दी अनुवाद: भारत का सेवा PMI अक्टूबर में 55.8 हुआ, चार महीने का उच्चतम स्तर।

भारत का सेवा क्षेत्र का PMI अक्टूबर में 55.8 हो गया, जो चार महीने का उच्चतम स्तर है। यह सेवा क्षेत्र की मजबूती और आर्थिक विकास का संकेत है।

INTERNATIONAL NEWS

Iran hasn't tried to repair nuclear facilities damaged in US strikes, UN nuclear chief says; Saudi-led coalition intercepts Houthi ballistic missile

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने अमेरिकी हमलों में क्षतिग्रस्त परमाणु सुविधाओं की मरम्मत करने की कोशिश नहीं की, UN परमाणु प्रमुख ने कहा; सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने हूती बैलिस्टिक मिसाइल रोकी।

IAEA प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि जून 2025 के बाद से उन्होंने 2025 और 2026 के सैन्य हमलों में क्षतिग्रस्त किसी सुविधा की मरम्मत या पुनर्निर्माण की कोई गतिविधि नहीं देखी है। सऊदी-नेतृत्व वाले गठबंधन ने पूर्वी प्रांत की ओर दागी गई हूती बैलिस्टिक मिसाइल को रोका और नष्ट कर दिया।

Iran says talks with Saudi Arabia ongoing; aims for regional security arrangements without foreign military involvement; US conducts 'defensive' strikes on Iranian targets in Strait of Hormuz

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि सऊदी अरब के साथ बातचीत जारी है; विदेशी सैन्य हस्तक्षेप के बिना क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था चाहता है; अमेरिका ने होर्मुज़ में ईरानी ठिकानों पर 'रक्षात्मक' हमले किए।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि तेहरान और रियाद के बीच बातचीत जारी है। ईरान विदेशी सैन्य हस्तक्षेप के बिना क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था चाहता है। अमेरिका ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरानी ठिकानों पर 'रक्षात्मक' हमले किए।

JD Vance sees 'progress' in Iran talks; Tehran says 'ball is in US court'; Iran says two-day plan to reopen Strait of Hormuz

हिन्दी अनुवाद: JD वांस ने ईरान बातचीत में 'प्रगति' देखी; तेहरान ने कहा कि 'गेंद अमेरिका के पाले में है'; ईरान ने होर्मुज़ दोबारा खोलने की दो-दिन की योजना की बात की।

BIHAR NEWS

Bihar govt signs MoU with MoRTH to clean rivers of silt accumulated due to floods; NHAI to build roads using Bihar river silt

हिन्दी अनुवाद: बिहार सरकार ने बाढ़ से जमा गाद से नदियों को साफ करने के लिए MoRTH के साथ MoU किया; NHAI बिहार की नदियों की गाद से सड़कें बनाएगा।

बिहार सरकार और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत MoRTH राज्य की नदियों को ड्रेज करेगा और निकाली गई रेत, गाद और तलछट को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में उपयोग करेगा। गंगा और उसकी प्रमुख सहायक नदियों (कोसी, गंडक और बागमती) में भारी तलछट जमा होने से गहराई और जल वहन क्षमता कम हो गई है, जिसे बिहार की गंभीर वार्षिक बाढ़ का एक प्रमुख कारण माना जाता है।

CM Samrat Choudhary meets Nitish Kumar; informs about agreement to remove silt from Ganga; 4 lakh cubic metres silt to be removed

हिन्दी अनुवाद: CM सम्राट चौधरी ने नीतीश कुमार से मुलाकात की; गंगा से गाद निकालने के समझौते की जानकारी दी; 4 लाख घन मीटर गाद निकाली जाएगी।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। उन्होंने बताया कि गंगा से गाद निकालने को लेकर नीतीश कुमार ने जो अभियान चलाया था, वह सफल हुआ है। इस संबंध में दिल्ली में एक बड़ा समझौता हुआ है, जिससे बिहार को बाढ़ से राहत दिलाने में मदद मिलेगी। समझौते के तहत गंगा सहित अन्य प्रमुख नदियों से करीब चार लाख क्यूबिक मीटर गाद निकालने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

SPORTS NEWS

India beat New Zealand by 5 wickets in 1st ODI; take 1–0 lead in five-match series

हिन्दी अनुवाद: भारत ने पहले ODI में न्यूज़ीलैंड को 5 विकेट से हराया; पाँच मैचों की श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बनाई।

ऑकलैंड के ईडन पार्क में भारत ने न्यूज़ीलैंड को 185 रन पर ऑल आउट किया। विराट कोहली ने 51 गेंदों पर 74 रन बनाए। भारत ने पाँच विकेट से जीत दर्ज की।

Virat Kohli hits 80th ODI fifty; India take 1–0 lead in five-match ODI series

हिन्दी अनुवाद: विराट कोहली ने 80वां ODI अर्धशतक लगाया; भारत ने पाँच मैचों की ODI श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बनाई।

विराट कोहली ने 51 गेंदों पर 74 रन बनाकर अपना 80वां ODI अर्धशतक लगाया। भारत ने पाँच विकेट से जीत दर्ज की और पाँच मैचों की ODI श्रृंखला में 1–0 की बढ़त बनाई।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

"अग्निवीरों के लिए नया रास्ता: शेष 75% को दो साल की और सेवा अवधि, फिर नियमित सैनिक बनने का मौका"

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों को रक्षा बलों में शामिल करने का मार्ग बनाया है। शेष 75% अग्निवीरों को भारतीय रक्षा बलों की सिफारिश पर दो साल की और सेवा अवधि देने को मंजूरी दी गई है। इस दो साल की सेवा अवधि के बाद सभी अग्निवीरों को उनकी इच्छा और चयन मानदंडों को पूरा करने के आधार पर नियमित सैनिक के रूप में नामांकन की पेशकश की जाएगी।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

अच्छाई का विस्तार

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक गाँव में पहुँचे। गाँव के लोग बड़े सज्जन और सेवाभावी थे। उन्होंने गुरु जी और उनके शिष्यों का आदर-सत्कार किया। चलते समय गुरु नानक देव जी ने गाँव वालों को आशीर्वाद दिया, "तुम्हारा गाँव उजड़ जाए और तुम सब अलग-अलग जगहों पर जाकर बसो।"

गुरु जी के शिष्य यह सुनकर हैरान रह गए, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं पूछा।

कुछ दूर चलने के बाद वे दूसरे गाँव पहुँचे। वहाँ के लोग स्वार्थी और उपद्रवी थे। उन्होंने अतिथियों का स्वागत तो दूर, उन्हें बैठने तक नहीं दिया। कुछ लोगों ने तो उन पर पत्थर भी फेंके।

गुरु नानक देव जी ने उस गाँव को भी आशीर्वाद दिया, "तुम्हारा गाँव आबाद रहे और तुम सब यहीं रहो।"

इस बार शिष्यों से रहा नहीं गया। उन्होंने गुरु जी से पूछा, "जिस गाँव के लोग अच्छे थे, आपने उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद दिया। और जहाँ लोगों ने हमारा अपमान किया, उसे आबाद रहने का आशीर्वाद दिया। ऐसा क्यों?"

गुरु नानक देव जी ने समझाया, "अच्छे लोग जहाँ भी बसेंगे, वे अपनी अच्छाई, सेवा और सद्भाव से नए स्थान को भी अच्छा बना देंगे। उनकी अच्छाई दूर-दूर तक फैलेगी। लेकिन बुरे लोग यदि एक ही जगह रहेंगे, तो उनकी बुराई वहीं सीमित रहेगी। यदि वे अलग-अलग जगह फैलेंगे, तो बुराई भी फैल सकती है।"

शिष्यों को बात समझ में आ गई।

प्रेरक सीख: अच्छाई का स्वभाव फैलना है। अच्छे विचार, अच्छे कर्म और सद्भाव जहाँ पहुँचते हैं, वहाँ जीवन को बेहतर बनाते हैं। इसलिए स्वयं अच्छे बनें और अपनी अच्छाई से आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-33

सोचो... समझो... हल करो...

						4		
	9							7
3			1		2			
				2		3	8	
				9				5
			7		4			2
				1			3	
8						9	6	
			5	8	3			

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।"

— ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

7	2	1	8	6	9	4	5	3
6	9	8	4	3	5	1	2	7
3	5	4	1	7	2	8	9	6
5	4	7	6	2	1	3	8	9
2	1	6	3	9	8	7	4	5
9	8	3	7	5	4	6	1	2
4	7	2	9	1	6	5	3	8
8	3	5	2	4	7	9	6	1
1	6	9	5	8	3	2	7	4

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 9, श्लोक 27
यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम्॥

सरल हिन्दी अर्थ:
हे कुन्तीपुत्र (अर्जुन)! तुम जो कुछ भी कर्म करते हो, जो कुछ खाते हो, जो हवन (यज्ञ) करते हो, जो दान देते हो और जो कुछ भी तप (कठिन प्रयास व साधना) करते हो—वह सब मुझे (उस परम चेतना को) अर्पित करते हुए करो।
आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ आध्यात्मिकता को पूजा-कक्ष या विशेष अनुष्ठानों की सीमाओं से निकालकर दैनिक जीवन की प्रत्येक सामान्य क्रिया से जोड़ देते हैं। यह कर्म के रूपांतरण (Alchemy of Action) का सिद्धांत है:

- दैनिक क्रियाओं का उदात्तीकरण: अक्सर लोग सोचते हैं कि आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए सांसारिक कार्यों को छोड़ना पड़ेगा। यह श्लोक सिखाता है कि जीवन छोड़ने की नहीं, बल्कि अपने दृष्टिकोण को बदलने की ज़रूरत है। भोजन करना, आजीविका कमाना, अध्ययन करना या किसी की सहायता करना—जब हर सामान्य क्रिया अहंकार और व्यक्तिगत लाभ के भाव से मुक्त होकर किसी उच्चतर उद्देश्य को समर्पित हो जाती है, तो वह स्वतः साधना बन जाती है।
- अहंकार और तनाव का विसर्जन: तनाव तब पैदा होता है जब हम सोचते हैं कि "यह काम मैं कर रहा हूँ, इसका परिणाम केवल मेरे अनुकूल होना चाहिए।" जब आप कर्म को पूरी ईमानदारी से करते हैं और परिणाम व श्रेय उस समष्टि को सौंप देते हैं, तो असफलता का भय और सफलता का दंभ दोनों ही समाप्त हो जाते हैं।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

भारत के पुनर्जागरण के अग्रदूत:राजा राममोहन राय

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी सोचा है कि जब हमारे समाज में बेटियों और महिलाओं पर अमानवीय अत्याचार होते थे, उस समय वह कौन सा साहसी महापुरुष था जिसने अंधविश्वासों की ज़ंजीरें तोड़कर महिलाओं के जीवन की रक्षा की? आज हम आधुनिक भारत के नवजागरण के अग्रदूत और महान समाज सुधारक राजा राममोहन राय की प्रेरक दास्तान जानेंगे। उन्हें 'आधुनिक भारत का जनक' और 'भारतीय पत्रकारिता का पथप्रदर्शक' भी कहा जाता है।

राजा राममोहन राय का जन्म 22 मई 1772 को पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले के 'राधानगर' गाँव के एक संभ्रांत और कुलीन ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री रमाकांत राय एक धार्मिक, प्रतिष्ठित और ज़मींदार परिवार से थे। उनकी माता श्रीमती तारिणी देवी (जिन्हें प्यार से 'फूल ठकुरानी' कहा जाता था) अत्यंत धर्मपरायण, दृढ़ संकल्पी और ममतामयी महिला थीं।

नन्हे राममोहन बचपन से ही असाधारण बुद्धि के धनी थे। उन्होंने कम उम्र में ही गाँव की पाठशाला में बंगाली और फ़ारसी सीखी। इसके बाद गहन अध्ययन के लिए वे पटना गए, जहाँ उन्होंने अरबी और फ़ारसी भाषा के उच्च ग्रंथों, क़ुरआन और सूफी दर्शन का अध्ययन किया। इसके बाद वे काशी (वाराणसी) गए, जहाँ उन्होंने वेदों, उपनिषदों और संस्कृत साहित्य का गहरा ज्ञान प्राप्त किया। वे इतने मेधावी थे कि आगे चलकर उन्होंने अंग्रेज़ी, लैटिन, ग्रीक और हिब्रू जैसी लगभग दर्जन भर भाषाएँ सीखीं।

जब वे युवा थे, तब उनके जीवन में एक ऐसी हृदयविदारक घटना घटी जिसने उनकी आत्मा को झकझोर कर रख दिया। उनके बड़े भाई जगमोहन की असामयिक मृत्यु के बाद, समाज के रूढ़िवादी लोगों ने उनकी विधवा भाभी 'अलकमंजरी' को जबरन उनके पति की चिता पर जीवित जला दिया। इस अमानवीय प्रथा को 'सती प्रथा' कहा जाता था। अपनी आँखों के सामने भाभी की चीखों और इस भयानक क्रूरता को देखकर राममोहन राय की आँखें नम हो गईं। उन्होंने उसी क्षण यह दृढ़ प्रतिज्ञा ली कि जब तक वे इस अमानवीय प्रथा को जड़ से समाप्त नहीं कर देंगे, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे।

उन्होंने प्राचीन हिंदू धर्मग्रंथों का प्रमाण देकर यह सिद्ध किया कि वेदों और उपनिषदों में कहीं भी सती होने का आदेश नहीं है। कट्टरपंथियों के भीषण विरोध और जानलेवा हमलों की परवाह किए बिना वे लगातार लड़ते रहे। उनके अथक प्रयासों के कारण ही वर्ष 1829 में तत्कालीन ब्रिटिश गवर्नर जनरल लॉर्ड विलियम बेंटिंक ने सती प्रथा के खिलाफ ऐतिहासिक कानून बनाकर इसे गैर-कानूनी घोषित किया।

उन्होंने वर्ष 1828 में 'ब्रह्म समाज' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य समाज से मूर्तिपूजा के पाखंड, जाति-पाँति और अंधविश्वासों को समाप्त कर एकेश्वरवाद (एक ईश्वर की उपासना) को बढ़ावा देना था। उन्होंने 'संवाद कौमुदी' (बंगाली) और 'मिरात-उल-अखबार' (फ़ारसी) नामक समाचार पत्रों के ज़रिए जन-जागरण किया। उन्होंने बाल विवाह का विरोध किया और महिलाओं को संपत्ति का अधिकार दिलाने की पुरज़ोर वकालत की। मुगल सम्राट अकबर द्वितीय ने अपने राजदूत के रूप में इंग्लैंड भेजने पर उन्हें 'राजा' की उपाधि से नवाज़ा था।

27 सितंबर 1833 को इंग्लैंड के ब्रिस्टल शहर में इस महान समाज सुधारक का देहांत हुआ। प्यारे बच्चों, राजा राममोहन राय का जीवन हमें सिखाता है कि समाज की कुरीतियों के सामने कभी घुटने मत टेको, हमेशा तर्क और ज्ञान से सच का साथ दो और कमज़ोरों व महिलाओं के सम्मान के लिए निडर होकर खड़े रहो।



.....✍️

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

पूजा के लिए किसी अलग समय या स्थान की प्रतीक्षा मत कीजिए। अपनी हर छोटी-बड़ी सांसारिक क्रिया को पूरी ईमानदारी, निष्काम भाव और समर्पण के साथ कीजिए; आपका पूरा दिन और आपका हर कर्म ही वास्तविक प्रार्थना बन जाएगा।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org